



Vidya Bharati Akhil Bhartiya Shiksha Sansthan

www.vidyabharti.net

Vol.: 2 No. : 3

NEWS LETTER

July 2019

Education must lay the foundation for developing a society that is strongly grounded in ethics and moral values : Vice President

Delivering the 10th Foundation Lecture at SAI International School in Bhubaneswar on 1st April this year, the Vice President of India, Shri M. Venkaiah Naidu has said that education must lay the foundation for developing a society that is strongly grounded in ethics and moral values to ensure peace and contentment in life.

Expressing his concern over the all-round degeneration of morals and ethics in the society, Shri Naidu said that the undesirable trend had to be stopped completely and schools were best placed for bringing about such a transformation. He said that education must inculcate social, moral, ethical and spiritual values apart from seeking to empower the future citizens with knowledge and wisdom. 'What is important is your attitude towards fellow citizens, other living creatures, protecting the environment and your commitment towards the larger good of the society', he said.

Referring to the seven deadly social sins mentioned by Father of the Nation Mahatma

Gandhi ji, the Vice President said that education which does not build character was one of such sin.

Saying that schools play the most crucial and foundational role in shaping the destinies of a nation, the Vice President said that schooling must lay emphasis on the overall development of the child without focusing solely on academic achievements. He opined that it was extremely crucial for youngsters to become responsible, caring and empathetic citizens of the country.

The Vice President stressed that aligning the education with the best education pedagogies, teaching methods and techniques in the world, without losing our ethical moorings was necessary to regain India's position as Vishwa Guru.

He advised schools to keep abreast with the latest methods of pedagogy and acquaint the students about the importance of the ancient civilization, culture, traditions, heritage and history of the country. "The understanding of the



history should be complete and comprehensive without any scope for bias," he said.

Shri Naidu advised schools to discard rote method of learning and promote innovative and creative thinking. He said that students must be encouraged to develop an inquisitive and questioning mind ever eager to learn new things and come out with bright ideas.

Shri Naidu wanted schools to keep themselves abreast with the rapid developments in technology and align the skill sets of the students in accordance with 21st century job market. He also advised the schools to promote entrepreneurial spirit among the students.

Vidya Bharati believes that ethical and spiritual education is a must for the overall development of a child

Today's child is the leader of tomorrow. In our education today, the goal should be to inculcate in the child, love and respect for the motherland and ancestral values from the very preliminary stages. It is only through ethical and spiritual education that there would be character development in a child.

The good habits that we want the child to learn and practice has to be repeatedly told. This lesson is first given at home by parents and then at the school by the teacher. It is often seen that today the student gives more importance to what is taught by the teacher than by the parents. And it is here that the role of teachers, in shaping the future of the student, and in turn the future of the nation, becomes so important.

In Vidya Bharati a complete syllabus has been made for value education for all classes, from class 1 to 12.

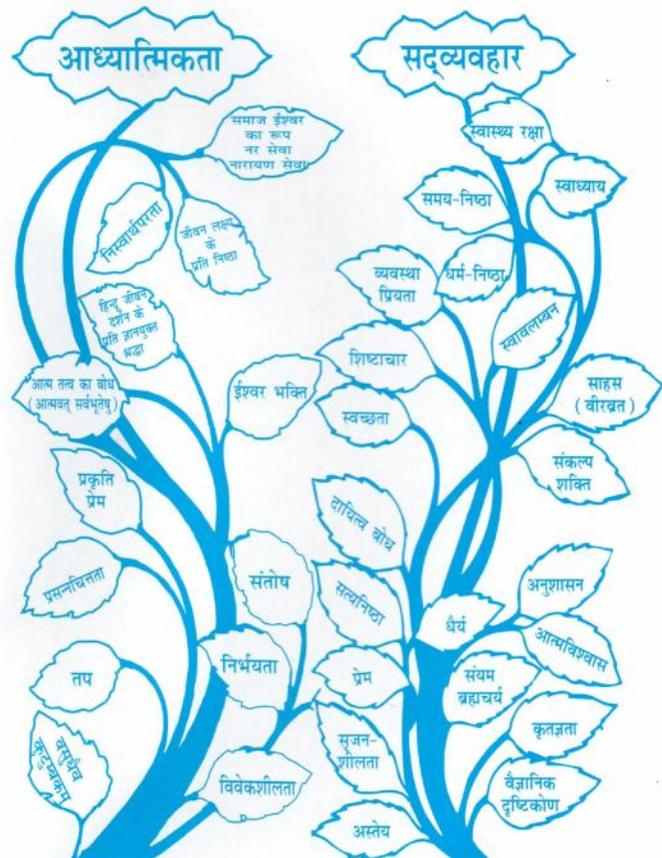
Moreover, all teachers - be they of any subject, are asked to take care of ethical aspect while teaching.

For example a teacher of mathematics can develop in the student truthfulness, patience and self confidence.

In the same fashion a science teacher can develop in the student

qualities of scientific outlook, adhering to principles, cleanliness, self-study.

In the history class the student can be taught of nationalism, love for the nation, responsibility towards the nation.



Fight Against Misinformation

Vidya Bharati Uttarakhand organized a seminar on Fight Against Misinformation in their 65+ Schools, in collaboration with Whatsapp & Nasscom Foundation. It was arranged and conducted by Planetskool Foundation,

First Time Vidya Bharti Uttarakhand Conducted a Social Media Awareness campaign With Help of WhatsApp Foundation

Pithoragarh, Lohaghat, Nainital, Kashipur, Haridwar, New tehri, Chamba etc. Overall Process of this seminar was divided in 3 steps :-
1. Presentation, 2. Online exam
3. Certificates to the candidates.

“The benefit of this seminar is to spread awareness against fake news propagating in social media, how to identify, ignore, flag and neutralise it. This helped students and teachers to understand how to avoid pitfalls of fake news in social media.



Saraswati Vidya Mandir
Chamba (Uttarakhand)

Balika Vidya Mandir Inter College,
Kashipur (Uttarakhand)



Tularam Gopal Das Mittal
Saraswati Shishu Mandir,
Mayapur, Hardwar (Uttarakhand)

In News



Swati Negi selected for Khelo India & honoured by Shri Tilak Raj (Org. Sec. of HP Edu. Committee)



Mohammed Danish and his brother selected in NEET Exam (Uttar Pradesh)

ईद की दोहरी खुशी : दो सगे भाइयों ने नीट परीक्षा में पाई कामयाबी

संतकबीरनगर (एसएनबी)। जनपद के महाहर कस्बे के मुहल्ला शेरपुर के निवासी दो सगे भाइयों मोहम्मद दानिश व मोहम्मद काशिफ ने राष्ट्रीय पात्रता एवं प्रवेश परीक्षा नीट 2019 में सफलता प्राप्त करने कस्बे व जिले का मान बढ़ाया है। दोनों भाइयों ने एक साथ अलीगढ़ के त्रिक्स नाम के प्री डिग्नल एकेडमी से नीट की तैयारी की और मो. दानिश को 30 अंक व आल इण्डिया 2732 वॉ रैंक मिली है तो छोटे भाई मोहम्मद काशिफ को 633 अंक और आल इण्डिया रैंक 2370 मिली है।

अलीगढ़ में स्थित त्रिक्स नाम के कोचिंग सेंटर से शुरू कर दी। छोटे भाई मो. काशिफ भी अपने बड़े भाई की राह पर चलते हुए अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी बोर्ड से वर्ष 2017-18 की 10th प्लस 2 (इंटर) परीक्षा 84 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण करके त्रिक्स से ही मेडिकल नीट की तैयारी शुरू कर दी और दोनों भाइयों ने एक साथ नीट परीक्षा 2019 में सफलता अर्जित किया है। दोनों भाइयों के नीट में चयनित होने पर आज परिवार की ईद की खशियों में कई गना



न कदम थमे, न हौसला टूटा, बन गया अफसर

सृजन सेनगाल = देवदूज
सेना महज एक करियर नहीं, बल्कि अन्वेष है देश सेवा का। इस राह पर वही आगे बढ़ सकते हैं, जो स्वयं और परिवार से पहले देश पर अपना सर्वस्व कुर्बान करने को तत्पर रहते हैं। इसी तरह की बाधाओं को पार कर गाजियाबाद निवासी सुमित कुमार शनिवार को लेफ्टिनेंट बनकर सेना का अभिन्न हिस्सा बन गए हैं। देश की सेवा का उनका यह जुनून ही वा कि लिखित परीक्षा पास करने के बाद एसएसबी (सर्विस सलेक्शन बोर्ड) के साक्षात्कार में 18 बार विफल रहने पर भी सुमित ने हार नहीं मानी। अखिरकार 19वें प्रयास में सफलता ने कदम चूम ही लिए। सुमित बचपन से ही सेना में जाने का ख्वाब देखते थे। स्वामी विवेकानंद सरस्वती विद्या मंदिर, साहिबाबाद से



गाजियाबाद निवासी सुमित कुमार।

इतने प्रयास किए

परीक्षा	संख्या	परीक्षा	संख्या
एनडीए	04	टीईएस	04
एफकेट	06	सीडीएस	05



Aparna selected in Asian Youth Netball Championship 2019 (under 21)

अपर्णा सिंह चौहान भारतीय टीम में हुई चयनित

भाजपा नेता अनिल खेड़ा की पुत्री ने किया कमाल



गाजियाबाद (कंटेंट क्राइम)। जापान में होने वाले एशियन यूथ नेटबॉल चैंपियनशिप 2019 के लिए भारतीय अंडर-21 गर्ल्स नेटबॉल टीम का चयन पंजाब भटिंडा के मैसूरखाना में 17 दिनों के शिविर के बाद कर लिया गया। इस 1 माह के इंडिया कैम्प में पूरे

को कप्तान अपर्णा सिंह चौहान व रिताका चौधरी चुनी गईं थी एक माह के महान प्रशिक्षण के बाद दोनों ही खिलाड़ी देश के लिए खेलने के लिए 17 खिलाड़ियों की टीम में चुनी गईं हैं। दोनों ही खिलाड़ी जिला

Saraswati Vidya Mandir's student selected as a military officer



Baitul : The world's first # Solar Stalled Village

विश्व पर्यावरण दिवस आज • बैतूल के गांव में पर्यावरण

आईआईटी मुंबई का दावा- मप्र का बांचा दुनिया का पहला गांव, जहां सभी 74 घरों में सोलर इलेक्ट्रिक चूल्हे पर खाना पकता है

विजली बैटरी में स्टोर होती है, जिससे तीन बार खाना बनता है
फिरोज खलीवा | विजु
मध्य प्रदेश में बैतूल जिले का बांचा गांव दुनिया का पहला ऐसा गांव है, जहां सभी 74 घरों में सोलर इलेक्ट्रिक चूल्हे पर खाना पकता है। यह दावा आईआईटी मुंबई के तकनीकी प्रोफेसर सौरभ शर्मा के दावे का है। उन्होंने बताया कि भारत में पहले सोलर प्लेट पर भोजन बनता था। लेकिन विदेशों में पहले ही बांचा गांव के लिए आईआईटी मुंबई की टीम ने इलेक्ट्रिक चूल्हा तैयार किया है। अब यहां के ग्रामीण चूल्हे जलाने के लिए पैदा नहीं करते हैं। गांव के सभी घरों में मॉडर्न और ऊर्जा पर्याप्त चूल्हे पर खाना बनती है। इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ ही महिलाओं को धुंध से मुक्ति भी मिली है। भारत-भारती विश्व मण्डल के मोहन नगर में बसाया केंद्र सरकार ने पहले में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्धता अर्पित की थी। इसमें आईआईटी मुंबई के विद्यार्थियों ने सौर ऊर्जा चलित चूल्हे का मॉडल तैयार किया था। इसके बाद इस मॉडल के प्रयोग के लिए बांचा गांव का चयन किया था। मई 2017 में प्रोफेसर के तहत गांव में सौर ऊर्जा लगाने का काम शुरू किया था। दिसंबर 2018 में सभी घरों में सौर ऊर्जा प्लेट, बैटरी और चूल्हा लगाने का काम पूरा किया। ग्रामीण अन्तर्गत दूरके ने बसाया- इस युक्ति के बाद लोगों ने पैदा करने में मदद कर दिए हैं।

सार ऊर्जा चलित चूल्हे का सोलर प्लेट से एक दिन में 800 वोल्ट बिजली बनती है

एक सिस्टम की कीमत 80 हजार, संख्या बढ़ी तो लागत भी घटेगी
एक सिस्टम में चलाया- पहली बार में कम मूल्य में सोलर इलेक्ट्रिक चूल्हे बनाने के कारण अभी लगाने 80 हजार रुपए प्रति सिस्टम आई है। यदि चूल्हे की संख्या जम्मा होगी तो लागत कम होकर 35 से 60 हजार रु. के बीच रहने जायेगी। परन्तु के अन्तर्गत यह सिस्टम पांच लोगों के लिए तीन सप्ताह भोजन, चाय और जल आदि विकल्प से बना सकती है। लेकिन दिन के समय में यह डाइनेट प्लेट से ऊर्जा लेते हैं, इलेक्ट्रिक स्टोरेज व्यवस्था रहता है।
इससे रात में भी खाना बनाया जा सकता है
आईआईटी मुंबई के तकनीकी प्रोफेसर सौरभ शर्मा ने बताया कि बांचा गांव में 74 घरों में आईआईटी मुंबई के छात्र-छात्राई द्वारा सौर ऊर्जा चलित इलेक्ट्रिक चूल्हे लगाए हैं। सौर ऊर्जा चलित चूल्हे की सोलर प्लेट में 800 वोल्ट बिजली बनती है। इसमें लगी बैटरी में 3 गुण्ट बिजली स्टोर रहती है। इस चूल्हे में 5 मिनटों के भीतर एक दिन में 3 बार खाना बनाया जा सकता है। इस चूल्हे में दिन के समय रात में भी भोजन बनाया जा सकता है।



गांव के एक घर में लग रहे ऊर्जा सिस्टम। इसमें लगे बैटरी में 3 गुण्ट बिजली स्टोर होती है।



इससे रात में भी खाना बनाया जा सकता है

ACTIVITIES OF VIDYA BHARATI SANSKRITI SHIKSHA SANSTHAN in 2018-19

The main objective of the activities is to evolve an education system based on the ideals of Indian Culture and for that purpose it has undertaken the programme to establish and manage educational institutions at different levels for the physical, mental, intellectual, spiritual and moral development of the child to render help in different fields and publication of books, magazines, folders, etc. and activities are being conducted according to these

these publishers and displaying in various book fairs organised in different places in country. Along with this a C. D. titled 'Archana' has been prepared to create value-based atmosphere in the schools. The number of the publications of Vidya Bharati and also of others publication is given below :-

* Vidya Bharati Publications 114

* Other Publications 148



objectives. A brief description of these activities are :-

Publication of Literature :-

For the extensive propagation of our culture, the publication of the books has been undertaken, where in the various subjects like eminent scientist of ancient India, mathematicians, the stories of great luminaries, Indian education etc. have been compiled. With a view to provide good literature to the society our Institution is seeking collaboration with other publishers, and making available to the readers the worth-reading material, acquiring from

Books published by our Institution during this session :-

1. Mata Jivan Nirmata
2. Gita Anuchintan
3. Mana Sab Shaktiyon ka agar
4. Vishva Chaitanya ki Anubhutiyan
5. Pariyavaran aur Ham
6. Ese the apne Bhau Rao Devras
7. Balika Shiksha, Pathya Karam aur Marga Darshika
8. Chanda Suney Kahani (multicolored)
9. Smaranajali - Sv. Shende ji
10. Bapu se sikhein

Newly Published :-

1. Ham nirmana karta hein ya srijan karta,
2. Lok ki kathayein
3. Panchkoshatmaka Vikas ke path par
4. Prakriti Ma
5. Sarvangeen Vikas
6. Janma din ka uphar
7. Vigyana ka Abhyas, apne aas pass
8. Vishwas ki vijay

1. More than 22 Lakh students take the cultural Awareness Examination.

With a view to transmit the glorious culture to the new generation, the scheme of conducting cultural awareness examination was started in 1980, for fourth to twelfth Classes. The constant increase in the number of the examinees is a clear proof of its popularity. This examination is being organised not only in Hindi but also being conducted in 12 Indian Languages including English, Punjabi, Assamese and Telugu etc. The detailed description of the total number of the students who participated in the examination is like this :-

Session	Number of Hindi Language	Number of English & other Languages	Total Number of Students
2016-2017	13,03,462	5,21,280	19,14,742
2017-2018	14,56,326	5,59,031	20,15,357
2018-2019	16,15,952	6,16,182	22,32,134

2. Cultural Awareness Examination (For Teachers)

With a view to make the teachers conversant with the various dimensions of the lofty ideals enshrined in ancient culture, this examination is conducted every year on all India level. In this the parents/guardians of the students also participate along with the teachers. In year 1985, 3000 teachers took part in this examination conducted at three levels i.e. Praveshika, Madhyama, Uttama. Later on

a higher level of Prajna was also added. The detailed description of the teachers and the parents who participated in these examinations is like this :-

Session	Number of Hindi and Language	Number of English other Languages	Total Number of teachers/parent
2016-2017	37,933	9,295	47,228
2017-2018	42,681	9,405	52,086
2018-2019	47,728	8,645	56,373

3. Sanskriti Pravah Examination :

The booklet 'Sanskriti Pravah' is establishing lofty ideals in the students, with a purpose of establishing the moral values through the inspiring episodes of ancient saints and sages. This book is being recited in about 6000 schools location in slum area (Sanskar Kendras) being run all over the country. In this session a total number of 23,989 participants took part in this examination.

4. All India Quiz and Paper Reading Competition.

During the current session this All India Cultural Festival was organized at Kurukshetra from 23 to 25th November 2018.

An All India Quiz Competition was organised in

- (a) Sishu Varg
- (b) Bal Varg
- (c) Kishore Varg
- (d) Tarun Varg

A student Paper Reading Competition was organised for different age groups and this Competition was also organised separately for teachers.

On this occasion a glamorous exhibition titled ' Bharat Darshan Sanskriti Dirgha' was also organised .

5. All India Essay Competition (For Students):-

An essay competition is organised at all India level based on the important themes pertaining to sublime Indian spiritual culture, glorious history, the inspiring biographies of the luminous personalities and lofty traditions of his land, At school level this competition is organized in four categories viz. Shishu, Bal, Kishore and Tarun The topics of essays for the session 2018-2019 were prescribed as under :-

Shishu Varg Meri Matribhumi Mandir Hey
(My motherland is temple)

Bal Varg Bhagini Nivedita ki Bharat
Bhakti (The dedication of
sister Nivedita to Bharat)

Kishore Varg Yoga: Eka Jiwan Paddhiti
(Yoga an orderly system for
life)

Tarun Varg Vartman Shatabdi mein
Bharat ki pramukh vaigyanik
uplabdhiyan (Important
achievements of India In the
field of Science during the
present century)

121 essays were selected from the essays received from 34 state samities from all over India.

All India Essay Competition (For Teachers):-

The essay writing competition for teachers is organised to generate interest of the teachers in self-study, original thinking, and reflection and creativity. During the session 2018-2019, 16+ essays were received from 35 state committees on the topic “योग: कर्मसु कौशलम्”

(The cessation of the modifications of chitta is yoga.) After their evaluation 11 best essays were selected for award, the prize money of which is like this :- First prize 5100/- second 3100/- third 2500/- fourth 2100/- fifth 1500/- and the rest six consolation prizes of 1100/- each.

6. Music Department :-

In order to make our students rich in multi-cultural talent, the Sansthan has established a Music Department in which regular classes of music are held for two hours daily. In this department there is arrangement for teaching classical Music, light vocal music and in the instrumental music. The arrangement exists for imparting training in Harmonium, Casio, Guitar, Sitar, Table, Dholak etc. This centre is recognised by Prayag Sangeet Samiti Allahabad. During the session 2018-19 45 students have taken the examination. A need is being felt for its further expansion.

7. Participation in Book Fairs :-

With its objective that good literature of Vidya Bharati imbued with Bharatiya culture reaches the general population, the Sansthan is participating in all the book fairs organised all over the country, and make available its own literature as well as the literature acquired from the other co-operating institutions.

8. Various Educational Functions and seminars held in the Institution:-

With the collaborating Institutions, Sansthan holds various cultural programmes and seminars from time to time. During the session 2018-2019 12 seminars/functions were organized by our Institution. Along with this, 23 functions were organised by various organisations of the town on the campus of Sanskriti Bhawan.



Vidya Bharati Akhil Bhartiya Skiksha Sansthan

Like our Facebook page <https://www.facebook.com/vidyabharatiorg/>